Dr. B. R. Ambedkar Jayanti celebrated at CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 17-04-2025**

AMBEDKAR JAYANTI CELEBRATED

Mahendragarh: The Central University of Haryana commemorated Ambedkar Jayanti with a celebration on the theme "Dr BR Ambedkar's Thoughts: A Beacon of Hope for India's Youth". The event highlighted the enduring relevance of Dr Ambedkar's ideas and his vision for a just and equitable society. Pro-Vice-Chancellor Pawan Kumar Sharma shared his reflections on the educational journey and inspiring legacy of Dr Ambedkar. He emphasised the significance of Ambedkar's life as a model of resilience, intellect and commitment to social justice. In her address, the chief guest, Kalpana Kannabiran from the Council for Social Development, Hyderabad, focused on Dr Ambedkar's contributions across multiple disciplines, including social anthropology, economics, political science, law and public administration. She described Ambedkar's sociological imagination and philosophical insights as "oceans within oceans", capable of addressing the multifaceted challenges of society through the lens of intersectionality. Dr Krishnaswamy Dara, an expert speaker from Jamia Millia Islamia, New Delhi, offered insights into the concept of caste and highlighted how Dr Ambedkar utilised political theory and republicanism to articulate the principles of liberty, equality and fraternity. His talk emphasised the transformative potential of Ambedkar's political thought.

Haryana Tribune
Thu, 17 April 202
https://epaper.tr

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 16-04-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में डा. भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई

महेंद्रगढ, 15 अप्रैल (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर एक विचारोत्तेजक और प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष समारोह की थीम थी- 'डा.भीमराव अंबेडकर के विचार: भारत के युवाओं के लिए आशा की किरण'। कार्यक्रम का उद्देश्य डॉ. अंबेडकर के विचारों और उनके सामाजिक न्याय के विजन को समझना और नई पीढ़ी तक पहुँचाना था।

विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए डा. अंबेडकर की शैक्षणिक यात्रा और उनके प्रेरणादायक जीवन की चर्चा की। उन्होंने अंबेडकर जी को संघर्ष, विद्वता और सामाजिक न्याय के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया।आयोजन में मुख्य अतिथि, प्रो. कल्पना कन्नाबिरन (काउंसिल फॉर सोशल डवलपमेंट, हैदराबाद) ने डा.अंबेडकर के विविध क्षेत्रों में योगदान पर प्रकाश डाला, जिनमें सामाजिक मानवविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, कानून और लोक प्रशासन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अंबेडकर की समाजशास्त्रीय कल्पनाएँ और दर्शन 'सागरों के भीतर सागर' जैसे हैं, जो समाज की जटिल समस्याओं को अंतर्संबंधों के माध्यम से सुलझाते हैं। उनका यह भी कहना था कि बाबासाहेब अंबेडकर का दार्शनिक दृष्टिकोण न केवल भारत के युवाओं के लिए, बल्कि विश्व भर के युवाओं के लिए आशा की किरण है।

आयोजन में विशेष आमंत्रित वक्ता, डा. कृष्णास्वामी डारा (जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली) ने जाति की अवधारणा की गहराई से व्याख्या की और बताया कि कैसे डा.अंबेडकर ने राजनीतिक सिद्धांत और रिपब्लिकन विचारों के माध्यम से स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के सिद्धांतों को परिभाषित किया।

यह आयोजन एससी/एसटी प्रकोष्ठ एवं डा. भीमराव अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, जिसकी अगुवाई प्रो. अंतरश कुमार ने की। तीन दिनों तक चलने वाले इस समारोह में पेंटिंग, पोस्टर निर्माण और भाषण प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। डीएसीई के विद्यार्थियों द्वारा डॉ. अंबेडकर के जीवन पर आधारित एक नाट्य प्रस्तुति भी दी गई, जिसने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनेक संकाय सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से प्रो. नीलम सांगवान (डीन रिसर्च), डा. कमराज, डा.दिनेश कुमार, डा. सुशीला सौरिया, डा.जितेन्द्र, डा. लोंगकोई, डा.शाहजहां, डा.मारुति, डा.रश्मि, डा.रवि आदि शामिल थे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 16-04-2025**

हकेंवि में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर तीन दिवसीय कार्यक्रम हुआ। 'डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचार: भारत के युवाओं के लिए आशा की किरण' थीम रही। कुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने अंबेडकर को संघर्ष, विद्वता और न्याय का प्रतीक बताया। मुख्य अतिथि प्रो. कल्पना कन्नाबिरन ने उनके समाजशास्त्रीय और दार्शनिक योगदान को 'सागरों के भीतर सागर' जैसा कहा।

विशेष वक्ता डॉ. कृष्णास्वामी डारा ने जाति और रिपब्लिकन विचारों पर विस्तार से बात की। कार्यक्रम का आयोजन एससी/एसटी प्रकोष्ठ और डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र ने मिलकर किया। इसमें भाषण, पोस्टर, पेंटिंग प्रतियोगिताएं और एक नाट्य प्रस्तुति हुई।